भा. कृ. अनु. प.- केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान,
क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच

अनुसूचित जाति के कृषकों की क्षमता विकास के लिए एक दिवसीय "जागरूकता शिविर तथा भ्रमण"

केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच द्वारा जम्बूसर तालुका के तीन गाँव (अणखी, कनगाम, छिद्रा) के अनुसूचित जाति के 25 कृषकों को दिनांक 28 फरवरी, 2023 एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण के लिए, आनंद, गुजरात ले जाया गया| यह भ्रमण भारत सरकार की अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत कराया गया| इस योजना का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति के किसानों का सामाजिक तथा आर्थिक विकास करना है, जिसके तहत संस्थान द्वारा कई प्रकार की गतिविधियाँ करायीं जातीं हैं| आनंद में सर्वप्रथम किसानों को कृषि के विषय में ज्ञान वर्धन के लिए आनंद एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी का भ्रमण कराया गया| यहाँ पर सरदार स्मृति केंद्र में किसानों नें गुजरात में श्री वल्लभ भाई पटेल के द्वारा कृषि के क्षेत्र में किसानों के जागरण तथा कृषि शिक्षा की शुरुआत के बारे में ज्ञान अर्जन किया| इसके पश्चात् किसानों को सरदार पटेल कृषि शैक्षिक संग्रहालय का भ्रमण कराया गया जहाँ कृषि तथा पशुपालन की नई-नई तकनीकों, कृषि में काम आने वाले उपकरणों आदि को मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया है| किसानों को कॉलेज के मधुमक्खी पालन केंद्र पर भी भ्रमण कराया गया जहाँ किसानों ने मधुमक्खी पालन के बारे में जानकारी प्राप्त की| कॉलेज के सस्य विज्ञान के प्रायोगिक फार्म का भी भ्रमण किसानों को कराया गया जहाँ किसानों ने पाक प्रदर्शनी का दौरा किया, जिसमें इस मौसम में उगने वाली सभी फसलों को लगाया गया है, जिससे किसानों को नई फसलों के बारे में भी जानकारी मिली| इसके बाद फार्म के प्रभारी प्रो. ए पी पटेल के द्वारा किसानों को फार्म पर जैविक कृषि के विभिन्न मॉडल्स के बारे में जानकारी प्रदान की गयी| पास में ही बने जैविक खाद यूनिट का भी किसानों ने दौरा किया तथा विभिन्न प्रकार की जैविक खाद जैसे वर्मिकम्पोस्ट, कचरा खाद, जीवामृत, वर्मिवाश, नाडेप खाद आदि बनाने की विधि के बारे में जानकारी प्राप्त की| प्रोफेसर ए पी पटेल द्वारा किसानों को कॉलेज में होने वाले मुफ्त पांच दिवसीय जैविक कृषि के प्रशिक्षण के बारे में भी जानकारी दी गयी| इसके बाद दोपहर में किसानों को देश की सबसे बड़ी सहकारी संस्था अमूल डेरी का भ्रमण कराया गया जहाँ किसानों ने इसके निर्माण के इतिहास, दूध तथा दूध के अन्य उत्पादों के संग्रहण, प्रोसेसिंग, पैकिंग आदि के बारे में जानकारी अर्जित की| भ्रमण के दौरान किसानों के मार्गदर्शन तथा समन्वयन के लिए संस्थान के वैज्ञानिक डा. मोनिका शुक्ला, डा. सागर विभुते तथा तकनीकी अधिकारी चंपक तावियाड किसानों के साथ रहे|

सरदार स्मृति केन्द्र
आणंद कृषि युनिवर्सिटी, आणंद
SARDAR SMRUTI KENDRA
ANAND AGRICULTURAL UNIVERSITY, ANAND
अनुसूचित जाति उपयोजना, भारत सरकार के अंतर्गत
अनुसूचित जाति किसानों के लिए
जागरूकता शिविर तथा भ्रमण

अनुसूचित जाति उपयोजना, भारत सरकार के अंतर्गत
अनुसूचित जाति किसानों के लिए
जागरूकता शिविर तथा भ्रमण

APIARY
अनुसूचित जाति उपयोजना, भारत सरकार के अंतर्गत
अनुसूचित जाति किसानों के लिए
जागरूकता शिविर तथा भ्रमण

DEPARTMENT OF AGRONOMY
B.A. COLLEGE OF AGRICULTURE
शस्य विज्ञान विभाग
બં.અ. કૃષિ મહાવિદ્યાલય
अनुसूचित जाति उपयोजना, भारत सरकार के अंतर्गत
अनुसूचित जाति किसानों के लिए
जागरूकता शिविर तथा भ्रमण

#75YearsofAmul

Amul